एम.ए. हिंदी (उत्तरार्द्ध)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन

पूर्णांक : 100
समय : 3 घंटे

निर्देश:–

1. खण्ड 'क', 'ख' और 'ग' में से तीन–तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'घ' में पूरे पाठ्य विषय से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पाँच के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का और पूरा खण्ड प्रश्न बीस अंकों का होगा।
3. खण्ड 'ङ' (अन्तिम प्रश्न) अति लघूत्तरी प्रकृति का होगा। इसमें अनिवार्य दस प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

खण्ड–क : संस्कृत काव्यशास्त्र

1. काव्य : स्वरूप और प्रकार
   - काव्य लक्षण
   - काव्य–हेतु
   - काव्य–प्रयोजन
   - काव्य के प्रकार
2. रस–सिद्धान्त
   - रस का स्वरूप
   - रस निष्पत्ति
   - साधारणीकरण
   - सहृदय की अवधारणा
3. अलंकार सिद्धान्त
   - अलंकार की अवधारणा
   - अलंकार सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
   - अलंकारों का वर्गीकरण
4. रीति सिद्धान्त
   - रीति का स्वरूप
   - रीति एवं शैली
   - काव्य–गुण
   - रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
5. ध्वनि सिद्धान्त
   - ध्वनि का स्वरूप
   - ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
   - ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद : गुणीभूत व्यंग्य काव्य, चित्रकाव्य
6. वक्रोक्ति सिद्धान्त
   - वक्रोक्ति का स्वरूप
   - वक्रोक्ति के भेद
   - वक्रोक्ति और अभिव्यंजना
7. औचित्य सिद्धान्त
   - औचित्य का स्वरूप
   - औचित्य की प्रमुख स्थापनाएँ
   - औचित्य के भेद

खण्ड–ख : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

8. प्लेटो – काव्य–सिद्धान्त
9. अरस्तू – (क) अनुकरण सिद्धान्त (ख) विरेचन सिद्धान्त
10. लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा
11. जान ड्राइडन – काव्य–सिद्धान्त
12. वर्ड्सवर्थ – काव्य–भाषा का सिद्धान्त
13. कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त
14. मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरूप और कार्य
15. टी०एस० इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
16. आई०ए० रिचर्ड्स – संवेगों का संतुलन
17. सिद्धान्त और वाद – स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, फ्रायडवाद, अस्तित्ववाद

खण्ड–ग : हिन्दी काव्यशास्त्र

18. हिन्दी आलोचना का विकास
19. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि
    - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
    - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
    - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
    - डॉ० रामविलास शर्मा